SERIES : 10/2007/2

Code No. 160/178

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

SANSKRIT

SEMESTER-II (Subjective Type)

सामान्य निर्देश :

* *उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यान पूर्वक अवलोकन करके उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि विद्यार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक देने में संकाच न करें।*
* *प्रश्न-पत्र 'मणिका' (भाग-2) तथा 'मणिका' (भाग-2) संस्कृत अभ्यास पुस्तकम्' पर आधारित है।*
* *भाषा में हलन्त, विसर्ग, वर्तनी आदि की अशुद्धि होने पर अनुपात से अंक कम किये जा सकते हैं। संकेतमान सम्भावित उत्तर के अतिरिक्त भी अन्य पूर्णतः शुद्ध और उचित उत्तर होने पर पूर्ण अंक दिए जाएं।*

विशेष निर्देश

Set–I

1. उस प्रश्न में दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए 5 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर अपेक्षित है प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

सम्भावित उत्तर संकेत :

(i) सागरमध्ये एकं लघुदीपं दक्षिणभारते वर्तते।

(ii) तस्मिन् द्वीपे सागरतरङ्गैः क्षाल्यमानं प्राचीनं नगरं कन्याकुमारी इति अस्ति।

(iii) एषा कन्याकुमारी त्रयाणां सागराणां सङ्गमस्थली अस्ति।

(iv) समुद्र जले प्रतिबिम्बितं सूर्योदयस्य दृश्यम् अद्भुतम् एव भवति।

(v) सूर्यस्य क्रमशः अरुणा पीता धवला च शोभा दर्शकान् मन्त्रमुग्धान् करोति।

2. कथा को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है।

उत्तर :

(i) ताम्रचूडः नाम परिव्राजकः एकस्मिन् देवालये वसति स्म।

(ii) ताम्रचूडः सर्वां भिक्षां भिक्षापात्रे निधाय नागदन्ते अवलम्ब्य राजौ स्वपिति।

(iii) मूषक-स्वामी भिक्षापात्रं समारुह्य मूषकेभ्यः भिक्षान्नम् अयच्छत्।

(iv) परिव्राजकः जर्जरवंशम् आनीय पुनः पुनः ताडयति।

(v) परिव्राजकः मूषकेण त्रस्तः मित्रस्य वचनं-न शृणोति।

खण्ड–ख

(रचनात्मकम् कार्यम्)

3. संवाद को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। $1\times5=5$

उत्तर :

(i) सोमेशस्य समीपे परिवर्तनम् न अस्ति।

(ii) बस-संवाहकः यात्रापत्रस्य पृष्ठे अवशिष्टं राशिं लिखति।

(iii) अवशिष्टं राशिः राजीवचतुष्पथे स्थितात् कार्यालयात् प्राप्स्यते।

(iv) अवशिष्टं रूप्यकद्वयं प्राप्त्यर्थं पुनः दशरूप्यकाणां व्ययः समयहानिः च।

(v) जनतायाः सहयोगः सर्वत्र अपेक्षितः।

4. प्रश्न पत्र में दिए चित्र को देख कर 'मञ्जूषा' से चुन कर 5 प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। $1\times5=5$

उत्तर :

(i) अस्मिन् चित्रे एक एव द्रुमः अवशिष्टः।

(ii) अन्ये वृक्षाः तु काष्ठकारैः छिन्ना।

(iii) अत्र एक बालकः मात्रा सह आगतः।

(vi) राजमार्गे धूम्रं क्षिपत् एकं कारयानम् गच्छति।

(v) वृक्षाणाम् संरक्षणेन हि पर्यावरणम् रक्षणीयम्।

अथवा

(केवलं प्रज्ञाचक्षुर्भ्यः)

मञ्जूषा से पद चुन कर पाँच वाक्यों में 'जलस्य महत्त्वं' पर अनुच्छेद लिखना है। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक निश्चित है। अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए। पूर्ण शुद्ध उत्तर होने पर पूर्ण अंक दीजिए।

खण्ड–ग

(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

5. (i) अनुच्छेद में 3 रेखाङ्कित पदों की सन्धि व सन्धिविच्छेद करके उचित स्थान पर लिखना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है । $1\times3=3$

उत्तर :

(क) पाण्डव + अग्रजः (ख) पिपासाकुलः

(ग) तृषा+आर्तः।

(ii) मकार के स्थान पर अनुस्वार कब होता है यह संस्कृत अथवा हिन्दी में लिख कर उदाहरण देना है। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। शुद्ध भाषा में उचित उत्तर होने पर पूर्णांक दीजिए अन्यथा अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए। $3\times1=3$

6. (i) वाक्यों को पढ़ कर उदाहरणानुसार वाक्यों में रेखाङ्कित शब्दों पर आधारित 3 प्रश्नों के उत्तर दिये हुए रिक्त स्थानों में लिखने हैं। प्रत्येक

प्रश्न के लिए 1 अंक निश्चित है। प्रत्येक प्रश्न के 2 भाग हैं। अतः प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन करें।

उत्तर संकेत :

(क) (अ) – देशभक्तं (आ) देशस्य

(ख) (अ) – वृक्षारूढ़ा (आ) वृक्षम्

(ग) (अ) – वृक्षपतितानि (आ) वृक्षात्

(ii) 'द्वन्द्व' समास किसे कहते हैं। हिन्दी या संस्कृत में वर्णन करें तथा उदाहरण भी लिखें। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। 3×1=3

7. (i) विधिलिङ्□ क्रिया पद के स्थान पर तव्यत् प्रत्यय का प्रयोग करके 2 वाक्यों को रिक्त-स्थानों पर पुनः लिखें। प्रत्येक के लिए 1अंक है। 1×2=2

उत्तर :

(क) पीयूषेण पाठः पठितव्यः

(ख) विजययां भोजनम् कर्त्तव्यम्।

(ii) संवाद को पढ़ कर मतुप् प्रत्ययान्त 3 विशेषणों से रिक्त स्थान पूरा करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 3×1=3

उत्तर :

(क) बुद्धिमन्त : (ख) धनवान्

(ग) रूपवान् ।

8. मञ्जूषा में दिए अव्यय पदों से संवाद के 5 रिक्त-स्थानों को पूरा करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

उत्तर संकेत :

(i) कदा (ii) यदा (iii) कदा

(iv) यदा (v) तदा।

9. तीन वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×3=3

उत्तर :

(i) अशोकेन लेखः लिख्यते।

(ii) दिनेशेन जनकः प्रणम्यते।

(iii) मया फलानि क्रीयन्ते।

खण्ड–घ
(पठित–अवबोधनम्)

10. गद्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक निश्चित है तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक हैं।

उत्तर :

(i) कालः जगतः आयुः गणयति। 1

(ii) कालः चक्रवत् परिवर्तते। 1

(iii) कालः भूतं वर्तमानं भविष्यं च वीक्षते।

(iv) कालः जगतः उत्पत्तेः विकासस्य प्रलयस्य च साक्षीः अस्ति। 2

11. पद्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक तथा अन्तिम चौथे के लिए 2 अंक हैं।

उत्तर :

(i) क्रोधात् सम्मोहस्य उत्पत्तिः भवति। 1

(ii) सम्मोहात् स्मृति विभ्रमः संजायते। 1

(iii) स्मृति भ्रंशात् बुद्धिनाशः प्रभवति। 1

(iv) नरः बुद्धिनाशात् प्रणश्यति। 2

12. नाट्यांश को पढ़कर 4 प्रश्नों के उत्तर पूर्णवाक्य में देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक निश्चित हैं।

उत्तर :

(i) राजहंसः राजहंसी च काकध्वनिं प्रभात-वेलायां शृणुतः। 1

(ii) अत्र द्वे पात्रे वार्तालापं कुरुतः। 1

(iii) राजहंसस्य सरस्तीरे विहरति केनापि कर्कशैः का का शब्दैः वातावरणम् आकुली क्रियते। 1

(iv) काकः मेध्यम् अमेध्यं सर्वमेव भक्षयति। 2

13. गद्यांश को पढ़ कर सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखनी है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं। प्रसंग के लिए 2 अंक, सरलार्थ के लिए 1 अंक तथा व्याख्या के लिए 2 अंक ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। शुद्ध भाषा में पूर्ण स्पष्टीकरण होने पर पूर्णांक दे सकते हैं अन्यथा अनुमान से मूल्यांकन करें। यह गद्यांश षष्ठः पाठ से उद्धृत है। 5×1=5

14. पद्यांश पढ़ कर उसका अन्वय लिखकर व्याख्या हिन्दी भाषा में करनी है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं। जिनमें से 2 अंक अन्वय तथा 3 व्याख्या के लिए ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। यह नवम पाठ से उद्धृत है।

अन्वय – विभो ! अजेयः स्याम् इति मया देवदानवपूजितम् चक्रम् ते प्रार्थितम् एतत् ते सत्यम् ब्रवीमि। 5×1=5

15. नाट्यांश पढ़ कर सप्रंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखें। यह 'सप्तमः पाठः' से उद्धृत है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं जिनमें 2 अंक प्रसंग के लिए 1 अंक सरलार्थ तथा 2 अंक व्याख्या के लिए हैं। 5×1=5

16. हिन्दी भाषा में 3 का भावार्थ लिखना है प्रत्येक के लिए 2 अंक निश्चित हैं। पूर्ण आशय स्पष्ट होने पर पूर्ण अंक दे सकते हैं। 2×3=6

17. चार वाक्यों के रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न बनाने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×4=4

उत्तर :

(i) अरुणाचल प्रदेशे कति नद्यः प्रवहन्ति ?

(ii) अरुणाचलप्रदेशस्य राजधानी का अस्ति ?

(iii) 'ओरिया' इति पर्वणि अरुणाचले किम् भवति ?

(iv) भीष्म-नगर-दुर्गस्थ अवशेषाः कस्य परिचायकाः ?

18. वाक्यों को कथा के घटनाक्रमानुसार पुनः लिखना है। प्रत्येक के लिए ½ अंक निश्चित हैं। ½ × 10=5

उत्तर :

(i) अस्ति कर्मपुर नाम्नि नगरे प्रच्छन्न भाग्य-नामधेय कष्चित् कुमारः।

(ii) बाल्ये वयसि विद्यापराङ्मुखः स केनचित् दुष्टबुद्धिनाम्ना चौरेण सह चौर्यकर्मणि निरतः सञ्जातः।

(iii) एकदा सः दुष्ट बुद्धिना सार्धं कस्यचित् श्रेष्ठिनः गेहे धनहरणार्थं ग्रामन्तरं प्रस्थितः।

(iv) अथ व्रजन्तौ तौ गर्तसंकुले मार्गे क्रीडतः कांश्चित् बालकान् प्रेक्ष्य अवदताम्।

(v) भो-भो बालकाः ! कथमत्र नतोन्नते विषमे मार्गे क्रीडथ ?

(vi) यदि कश्चिद् गर्ते पतेत् तर्हि स विकलाङ्गो भूत्वा चिरं क्लेशम् अनुभवेत्।

(vii) तच्छ्रुत्वा तेषु कश्चित् उद्दण्डः बालकः उवाच।

(viii) आर्य भो यद्येवं तर्हि कथं भवन्तौ सुपथं परित्यज्य अनेन कुपथेन गन्तुं प्रवृत्तौ ?

(ix) अपि इदम् श्रेयस्करम्।

(x) अनेन वचसा प्रतिहतान्तः करणः प्रच्छन्नभाग्यः अचिन्तयत्।

Set–II

1. इस प्रश्न में दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए 5 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर अपेक्षित हैं प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

सम्भावित उत्तर संकेत :

(i) पाटलपुष्पं वृन्ते वसति।

(ii) दिने पाटलं रविकिरणाः विकासयन्ति।

(iii) पाटलपुष्पस्य श्वेतः, पीतः, नारङ्गः, अरुणः, रक्तिमश्च वर्णाः भवन्ति।

(iv) पाटलपुष्पं वरवध्वोः जयमालयोः विलसति।

(v) पाटलपुष्पं विवाहादिसमारोहेषु मण्डपानाम् शोभां आतनोति।

2. कथा को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

उत्तर :

(i) बालः सिद्धार्थः उपवने भ्रमणम् अकरोत्।

(ii) गगने हंसः कस्यचित् व्याधस्य बाणेन विद्धः अभवत्।

(iii) 'अयं मम हंसः अस्ति' इति देवदत्तः अवदत्।

(iv) 'उभौ स्वपक्षे निर्णयं प्राप्तुं न्यायालयं गतौ।

(v) राज्ञा मुक्तः सः हंसः सिद्धार्थं उपागच्छत्।

खण्ड–ख

(रचनात्मकम् कार्यम्)

3. संवाद को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

उत्तर :

(i) सुधाकरस्य पितृमहोदयाः चिकित्सालयं गतः।

(ii) सुधाकरस्य पितृमहोदयाः चिकित्सालयं प्रतिदिनं रुग्णेभ्यः दुग्धम् दातुम् गच्छति।

(iii) सुधाकरस्य पितृमहोदयाः यदा कदा फलानि अपि नयति।

(iv) 'एतत् तु अस्माकम् कर्तव्यः एव' इति सुधाकरः अवदत्।

(v) सुधाकरस्य पितृमहोदयाः अष्टवादने कार्यालयं गच्छति।

4. प्रश्न पत्र में दिए चित्र को देख कर 'मञ्जूषा' से चुन कर 5 प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। $1\times5=5$

उत्तर :

(i) चित्रे एकः विशालः वृक्षः वर्तते।

(ii) वृक्षे अनेके पक्षिणः उपविष्टाः सन्ति।

(iii) वृक्षम् अधः मयूरः नृत्यति।

(vi) चित्रे वृक्षः तडागस्य समीपे अस्ति।

(v) जले एकः नरः स्नानं करोति।

अथवा

(केवल प्रज्ञाचक्षुर्भ्यः)

मञ्जूषा से पद चुन कर पाँच वाक्यों में 'मम मातृभूमिः' पर अनुच्छेद लिखना है। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक निश्चित है। अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए। पूर्ण शुद्ध उत्तर होने पर पूर्ण अंक दीजिए।

खण्ड–ग

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

5. (i) अनुच्छेद में 3 रेखाङ्कित पदों की सन्धि व सन्धिविच्छेद करके उचित स्थान पर लिखना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है । $1\times3=3$

उत्तर :

(क) गत्वैकम् (ख) प्रश्नस्योत्तरम्

(ग) शक्ति+दर्प+उन्मत्तः।

(ii) व्यंजन सन्धि का 'अपदान्त अनुस्वार नियम' हिन्दी या संस्कृत में लिख कर उदाहरण देना है। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। शुद्ध भाषा में उचित उत्तर होने पर पूर्णांक दीजिए अन्यथा अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए। 3×1=3

6. (i) अनुच्छेद के 3 रेखांकित पदों को चुन कर दिए हुए खाली स्थान में उनका विग्रह लिखें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 2×1=2

उत्तर :

(क) दिने दिने इति

(ख) शक्तिं अनतिक्रम्य

(ग) नीडस्य समीपं।

(ii) तत्पुरुष समास किसे कहते हैं। हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में वर्णन करें तथा उदाहरण भी लिखें। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। 3×1=3

7. (i) 2 वाक्यों में अनीय प्रत्यय का प्रयोग करके उन्हें रिक्त स्थान में पुनः लिखना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है।

(ii) संवाद को पढ़ कर मतुप् प्रत्ययान्त 3 विशेषणों से रिक्त स्थान पूरा करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×3=3

उत्तर :

(क) सदाचारवान्

(ख) नीतिमान्

(ग) शक्तिमान्।

8. मञ्जूषा में दिए अव्यय पदों से संवाद के 5 रिक्त-स्थानों को पूरा करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

उत्तर संकेत :

(i) यदा (ii) तदा (iii) यदा

(iv) तदा (v) कदा।

9. तीन वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×3=3

उत्तर :

(i) अम्बया ओदनं पच्यते।

(ii) छात्रैः प्रार्थना क्रियते।

(iii) बालकैः जलं आनीयते।

खण्ड–घ
(पठित-अवबोधनम्)

10. गद्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक निश्चित है तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक हैं।

उत्तर :

(i) कृतयुगं, त्रेतायुगं, द्वापरयुगं कलियुगञ्चेति चत्वारि युगानि सन्ति। 1

(ii) महायुगम् चतुर्णां युगानाम् समूहः एव। 1

(iii) एकम् मन्वन्तरम् एक सप्तति महायुगानाम् समूहः। 1

(iv) कल्पः चतुर्दशमन्वन्तराणां समूहः। एकः कल्पः एव ब्रह्मणः एकं दिनं मन्यते। 2

11. पद्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक तथा अन्तिम चौथे के लिए 2 अंक हैं।

उत्तर :

(i) विषयान् ध्यायतः पुंसः तेषु संगः उपजायते। 1

(ii) संगात् कामः जायते। 1

(iii) क्रोधः कामात् अभिजायते। 1

(iv) श्लोकोऽयम् श्रीकृष्णः अर्जुनं उवाच। 'अभ्यासवशगं मनः' पाठात् च उद्धृतः। 2

12. नाट्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर पूर्णवाक्य में देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक निश्चित हैं।

उत्तर :

(i) मयूरस्य नृत्यं प्रकृतेः आराधना अस्ति। 1

(ii) मयूरस्य अपूर्वं सौन्दर्यं चारुवर्तुलचन्द्रिकाशोभितानां पिच्छानाम् अस्ति। 1

(iii) मयूरस्य केकारवं श्रुत्वा कोकिलः अपि लज्जिते। 1

(iv) विधात्रा शिरसि राजमुकुटमिव शिखां स्थापयता मयूरः 'पक्षिराजः' कृतः। 2

13. गद्यांश को पढ़ कर सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखनी है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं। प्रसंग के लिए 2 अंक, सरलार्थ के लिए 1 अंक तथा व्याख्या के लिए 2 अंक ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। शुद्ध भाषा में पूर्ण स्पष्टीकरण होने पर पूर्णांक दे सकते हैं अन्यथा अनुमान से मूल्यांकन करें। यह गद्यांश 'षष्ठः पाठः' से उद्धृत है। 5×1=5

14. पद्यांश पढ़ कर उसका अन्वय लिखकर व्याख्या हिन्दी में करनी है। इसकी लिए 5 अंक निश्चित हैं। जिनमें से 2 अंक अन्वय तथा 3 व्याख्या के लिए ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। यह 'नवमः पाठः' से उद्धृत है।

अन्वय –तात् ! परम-आपद्गतेन अपि त्वया रणे इदम् अस्त्रं विशेषतः मनुष्येषु न एव प्रयोक्तव्यम्। 5×1=5

15. नाट्यांश पढ़ कर सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखें। यह 'सप्तमः पाठः' से उद्धृत है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं जिनमें 2 अंक प्रसंग के लिए 1 अंक सरलार्थ के लिए तथा 2 अंक व्याख्या के लिए हैं। 5×1=5

16. हिन्दी भाषा में 3 का भावार्थ लिखना है प्रत्येक के लिए 2 अंक निश्चित हैं। पूर्ण आशय स्पष्ट होने पर पूर्ण अंक दे सकते हैं। 2×3=6

17. चार वाक्यों के रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न बनाने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है।

उत्तर :

(i) तत्त्वार्थस्य निर्णयः केन कर्तुं शक्यः ?

(ii) केषाम् चित्ते वाचि च सरलता भवति ?

(iii) कः लोके परिभवं न प्राप्नोति ?

(iv) किम् इच्छन् नरः परेषाम् अनिष्टं न कुर्यात् ? $1 \times 4 = 4$

18. वाक्यों को कथा के घटनाक्रमानुसार पुनः लिखना है। प्रत्येक के लिए ½ अंक निश्चित है। $\frac{1}{2} \times 10 = 5$

उत्तर :

(i) अनेन वचसा प्रतिहतान्तःकरणः प्रच्छन्नभाग्यः अचिन्तयत्। किम् इदं वचनं विशेषेण माम् एव लक्ष्यीकरोति ?

(ii) अहो। कुमार्गम् आश्रितस्य मम कीदृशी इयं क्लेशपरम्परा।

(iii) गुरूपदेशेन इव अनेन बालवचसा मम चक्षुषी समुन्मीलिते।

(iv) अद्य प्रभृति पापपथं त्यजामि इति विचिन्त्य भित्तम् दुष्टबुद्धिम् अवदत्।

(v) 'सखे ! यदि मां मित्रस्थाने परिगणयसि,

(vi) तर्हि साधुजनगर्हितम् इमं पन्थानं त्यजतु भवान्।'

(vii) दुष्टबुद्धिः तु तस्य सद्वचनानि तिरस्कृत्य ग्रामाभिमुखम् प्राचलत्।

(viii) प्रच्छन्नभाग्यः तु समुपजातविवेकः स्वगृहं प्रतिनिवृत्तः

(ix) गृहे तस्य भार्या सपदि समागतं पतिं दृष्ट्वा अपृच्छत्-

(x) आर्य ! किं सर्वगतं कुशलं वर्तते ?

Set–III

1. इस प्रश्न में दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए 5 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर अपेक्षित हैं प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

सम्भावित उत्तर संकेत :

(i) प्रकृतिः मनुष्यस्य उपकारिणी।

(ii) विविधाः ओषधयः सकलानि खनिजानि च प्रकृतेः एव शोभा।

(iii) प्रकृतिः नित्यं एव एतैः साधनैः सर्वेषाम् उपकारं करोति।

(iv) नरः शाश्वतं सुखं वाञ्छति चेत् तर्हि प्रकृतेः प्रतिकूलं कदापि न आचरेत्।

(v) अयं जनः कृतज्ञतां विहाय, असाधुसेवितं पथं गच्छति, विविधानि कष्टानि च अनुभवति।

2. कथा को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1 × 5=5

उत्तर :

(i) शशककच्छपमध्ये शाशकः तीव्रं धावति।

(ii) कच्छपशशकमध्ये अयं समयः अभवत्–मार्गस्य अन्ते यः जलाशयः अस्ति, तत्र यः पूर्वं गमिष्यति सः विजयी भविष्यति।

(iii) शशकः वृक्षस्य छायायाम् विश्रामम् अकरोत्।

(iv) शशकः जलाशयस्य समीपं चिरात् प्राप्तः।

(v) तेषाम् सततम् विजयः भवति ये सततं कार्ये संलग्नाः भवन्ति।

खण्ड–ख

(रचनात्मकम् कार्यम्)

3. संवाद को पढ़ कर 5 प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×5=5

उत्तर :

(i) मञ्जुलायाः जन्मदिवसे तस्याः माता तस्यै परिधानं क्रीतवती।

(ii) मञ्जुला विशेष-अवसरेषु नवीन परिधानानाम् क्रयं करोति।

(iii) ऋतिका समीपे पञ्च परिधानानि सन्ति ?

(iv) पुस्तकप्रिया ऋतिका आसीत्।

(v) ऋतिका दिल्लीनगरे गत्वा पुस्तकानि एव क्रेष्यति।

4. प्रश्न पत्र में दिए चित्र को देख कर 'मञ्जूषा' से चुन कर 5 प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर देने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। $1\times5=5$

उत्तर :

(i) इदम् चित्रम् उद्यानस्य अस्ति।

(ii) बालकः मित्रैः सह क्रीडति।

(iii) एका कन्या रज्ज्वा क्रीडति।

(iv) एकः बालकः वेगेन धावति।

(v) महिला शाटिका धारयति।

अथवा

(केवल प्रज्ञाचक्षुर्भ्यः)

मञ्जूषा से पद चुन कर पाँच वाक्यों में 'मम जननी' पर अनुच्छेद लिखना है। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक निश्चित है। अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए। पूर्ण शुद्ध उत्तर होने पर पूर्ण अंक दीजिए।

खण्ड–ग

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

5. (i) अनुच्छेद में 3 रेखाङ्कित पदों की सन्धि व सन्धिविच्छेद करके उचित स्थान पर लिखना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है । $1\times3=3$

उत्तर :

(क) पीत्वैव (ख) तत्रागताः

(ग) प्रति+एकम्।

(ii) 'छत्वसन्धि' हिन्दी या संस्कृत में लिख कर उदाहरण देना है। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। शुद्ध भाषा में उचित उत्तर होने पर पूर्णांक दीजिए अन्यथा अनुमानतः मूल्यांकन कीजिए।$3\times1=3$

6. (i) अनुच्छेद के 3 रेखांकित पदों को चुन कर दिए हुए खाली स्थान में उनका विग्रह लिखें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है।

उत्तर :

(क) ग्रामगतः

(ख) कूपपतितः

(ग) शरणागता।

(ii) 'द्विगु' समास किसे कहते हैं। हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में वर्णन करें तथा उदाहरण भी लिखें। इसके लिए 3 अंक निश्चित हैं। $3\times1=3$

7. (i) 2 वाक्यों में तव्यत् प्रत्यय के स्थान पर अनीय प्रत्यय का प्रयोग करके उन्हें रिक्त स्थान में पुनः लिखना है। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है।

(ii) संवाद को पढ़ कर मतुप् प्रत्ययान्त 3 विशेषणों से रिक्त स्थान पूरा करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। $1\times3=3$

उत्तर :

(क) सदाचारवान्

(ख) धृतिमान्

(ग) यशस्वान्।

8. मञ्जूषा में दिए अव्यय पदों से संवाद के 5 रिक्त-स्थानों को पूरा करें। 1×5=5

उत्तर संकेत :

(i) ह्यः (ii) श्वः (iii) ह्यः

(iv) श्वः (v) ह्यः।

9. तीन वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करें। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×3=3

उत्तर :

(i) पुत्रेण जनकः सेव्यते।

(ii) मया पत्रं लिख्यते।

(iii) त्वया कविता श्रूयते।

खण्ड–घ

(पठित-अवबोधनम्)

10. गद्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के पूर्णवाक्य में उत्तर देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक निश्चित है तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक हैं।

उत्तर :

(i) कालगणनायाः आधारः सूर्य एव अस्ति। 1

(ii) प्रत्येकस्य अयनस्य अवधिः षण्मासाः भवति। 1

(iii) भारतीयमासानाम् नामामि नक्षत्रनामभिः सम्बद्धानि। 1

(iv) सूर्यस्य द्वे गती उत्तरायणाम् दक्षिणायननञ्च। 2

11. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् पूर्णावाक्येन उत्तरत–

काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः।

महाशनो महापाप्या विद्ध्येनमिह वैरिणम्।।

(i) कामः रजोगुण समुद्भवः अस्ति। 1

(ii) क्रोधः कामः अस्ति। 1

(iii) कामः महाशनः कथ्यते। 1

(iv) इह कामं वैरिणम् विद्धि। 2

12. नाट्यांश को पढ़ कर 4 प्रश्नों के उत्तर पूर्णवाक्य में देने हैं। पहले तीन प्रश्नों के लिए 1 अंक तथा अन्तिम चौथे प्रश्न के लिए 2 अंक निश्चित हैं।

उत्तर :

(i) हंसः वर्षर्तौ मानसं पलायते। 1

(ii) वाकः एव अत्र वृष्टेः अभिनन्दनं करोति। 1

(iii) आपत्काले हंसः सरांसि त्यक्त्वा दूरं व्रजसि। 1

(iv) बकः शीतले जले बहुकालपर्यन्तम् अविचलं ध्यानमग्नः 'स्थितप्रज्ञ' इव तिष्ठामि। 2

13. गद्यांश को पढ़ कर सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखनी है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं। प्रसंग के लिए 2 अंक, सरलार्थ के लिए 1 अंक तथा व्याख्या के लिए 2 अंक ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। शुद्ध भाषा में पूर्ण स्पष्टीकरण होने पर पूर्णांक दे सकते हैं अन्यथा अनुमान से मूल्यांकन करें। यह गद्यांश 'षष्ठः पाठः' से उद्धृत है।

14. पद्यांश पढ़ कर उसका अन्वय लिखकर व्याख्या हिन्दी में करनी है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं। जिनमें से 2 अंक अन्वय तथा 3 व्याख्या के लिए ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन कीजिए। यह 'नवमः पाठः' से उदृधृत है।

अन्वय –नाना शस्त्रविदः ये अपि पूर्वे महारथाः अतीताः तैः एतद् अस्त्रम् मनुष्येषु न कथञ्चन प्रयुक्तम्।

15. नाट्यांश पढ़ कर सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में लिखें। यह 'सप्तम पाठः' से उद्धृत है। इसके लिए 5 अंक निश्चित हैं जिनमें 2 अंक प्रसंग के लिए 1 अंक सरलार्थ तथा 2 अंक व्याख्या के लिए हैं। 5×1=5

16. हिन्दी भाषा में 3 का भावार्थ लिखना है प्रत्येक के लिए 2 अंक निश्चित हैं। पूर्ण आशय स्पष्ट होने पर पूर्ण अंक दे सकते हैं। 2×3=6

17. चार वाक्यों के रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न बनाने हैं। प्रत्येक के लिए 1 अंक निश्चित है। 1×4=4

उत्तर :

(i) संवत्सरे कति ऋतवः भवन्ति ?

(ii) संवत्सरे कति मासाः भवन्ति ?

(iii) कति मन्वन्तराणाम् समूहः कल्पः ?

(iv) ब्रह्मण आयुः कति वर्षाणि ?

18. वाक्यों को कथा के घटनाक्रमानुसार पुनः लिखना है। प्रत्येक के लिएं ½ अंक निश्चित है।

½ × 10=5

उत्तर :

(i) दुष्टबुद्धि तु तयोः वार्तालापम् श्रुत्वा ऋटिति एव क्षेत्रं गतः।

(ii) तत्र अश्वत्थमूलं खनित्वा तं सुर्वण कलशं प्राप्तवान्।

(iii) यदा स तस्य आवरणम् अपसारयति तदैव भयङ्करम् एकं विषधरं फूत्कारं कुर्वन्तं पश्यति।

(iv) भीतः सः कलशं पुनः आवृत्त्य तम् च आदाय मित्रस्य गृहं समागतः।

(v) स्वमित्रं सर्पेण मारयितुम् इच्छन् सः भित्तौ सन्धिं प्रकल्प्य तन्मध्यतः कलशं गृहाभ्यन्तरे क्षिप्तवान्।

(vi) विचित्रा खलु दैवगति।

(vii) पतितात् कलशाद् बहिः निर्गत्य विषधरः तमेव दुष्टबुद्धिं दष्टवान्।

(viii) कलशपातशब्देन प्रबुद्धौ तौ दम्पती आश्चर्येण प्रचुरमणिमाणिक्यानाम् आभया भासमानं निजगृहं दृष्ट्वा परस्परम् अवलोकयन्तौ अतिष्ठताम्।

(ix) अतः उच्यते-पापिनाञ्च सदा दुःखं, सुखं वै पुण्यकर्मणाम्।

(x) एवं स्थिरतरं ज्ञात्वा साधुवृत्तिं समाचरेत्।